संख्या-65/2020/396/22-2-2018-17(79)/2018

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 **लखनऊ दिनांक 31 जनवरी, 2020**

विषय:-केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी रामबहादुर पुत्र श्री मंशाराम, निवासी जनपद-पीलीभीत की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-8788/प्रोबेशन-3/फार्म-ए(एम-06-09-2016) दिनांक-09-03-2018 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी रामबहादुर पुत्र श्री मंशाराम, निवासी-मोहम्मदगंज रम्पुरा, थाना-बरखेड़ा, जनपद-पीलीभीत का रहने वाला है। प्रधानी का चुनाव हार जाने की रंजिश में नाराज होकर बन्दी ने 36 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 10.03.2001 को सांय लगभग 05:00 बजे क्रेशर पर बैठे लोगों के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी बचने के लिए कुछ लोग कोठरी में घुस गये कुछ खेत में भाग गये तभी कोठरी पर मिट्टी का तेल डाल कर आग लगा दी। आग से बचने के लिए भागने पर लोगों पर फायरिंग कर 05 व्यक्तियों की हत्या कर दी एवं 07 अन्य को गंभीर रूप से घायल किया जिनमें महिलाएं भी शामिल थी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-212/2002 में भा0द0वि0 की धारा-147, 436/149, 302/149, 307/149, 506 एवं 7 क्रिमिनल ला अमेण्डमेन्ट एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश (एस0सी0 /एस0टी0 एक्ट), पीलीभीत के आदेश दिनांक 23.01.2004 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 23.09.2005 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 03.06.2016 तक 15 वर्ष, 02 माह, 17 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 04 माह, 00 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने की संभावना होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा जघन्य अपराध कारित किया है तथा इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट पीलीभीत द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी रामबहादुर पुत्र श्री मंशाराम को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी रामबहादुर (बन्दी संख्या-39023) पुत्र श्री मंशाराम, निवासी जनपद-पीलीभीत के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तद्नुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

संख्या-65/2020/396(1)/22-2-2018 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद पीलीभीत।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-65/2020/396/22-2-2018-17(79)/2018

दिनांक 31 जनवरी, 2020 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी रामबहादुर (बन्दी संख्या-39023) पुत्र श्री मंशाराम, निवासी-मोहम्मदगंज रम्पुरा, थाना-बरखेड़ा, जनपद-पीलीभीत का रहने वाला है। प्रधानी का चुनाव हार जाने की रंजिश में नाराज होकर बन्दी ने 36 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 10.03.2001 को सांय लगभग 05:00 बजे क्रेशर पर बैठे लोगों के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी बचने के लिए कुछ लोग कोठरी में घुस गये कुछ खेत में भाग गये तभी कोठरी पर मिट्टी का तेल डाल कर आग लगा दी। आग से बचने के लिए भागने पर लोगों पर फायरिंग कर 05 व्यक्तियों की हत्या कर दी एवं 07 अन्य को गंभीर रूप से घायल किया जिनमें महिलाएं भी शामिल थी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-212/2002 में भा0द0वि0 की धारा-147, 436/149, 302/149, 307/149, 506 एवं 7 क्रिमिनल ला अमेण्डमेन्ट एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश (एस0सी0 /एस0टी0 एक्ट), पीलीभीत के आदेश दिनांक 23.01.2004 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 23.09.2005 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 03.06.2016 तक 15 वर्ष, 02 माह, 17 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 04 माह, 00 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने की संभावना होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा जघन्य अपराध कारित किया है तथा इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट पीलीभीत द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी रामबहादुर पुत्र श्री मंशाराम को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।